

AE = 20

EB = 30

AE =

20

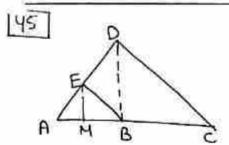
· Arr

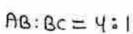
, ME=12, EB= 30.

mB

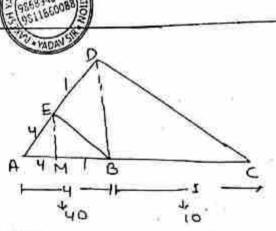
412

Ary 21





mb: Bc = ?



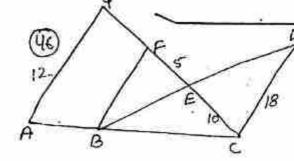
Am=32

MB = 8

BC=10

mB: BC 10

4:5 Ans

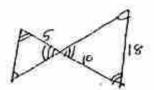


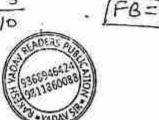
FE=5 AG=12

Ec=10 Gc= ?

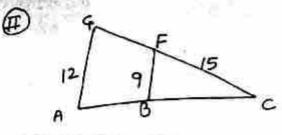
DC=18 AGIIBFIICD







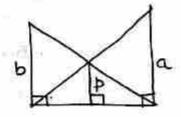




$$\frac{15}{C9} = \frac{9}{12} \frac{3}{4}$$

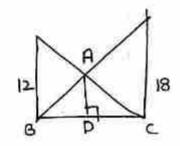
Ans





$$b = \frac{ab}{ab}$$

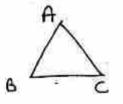
47

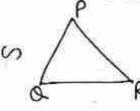


$$AD = \frac{12 \times 18}{30} = \frac{36}{5}$$

८८= ६ ४<del>८७८का के</del>ं⊃= ? AABC ON AD = 1x6x36 = 108

#

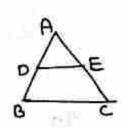






माध्यिका / कोण विभाजक / कंचाई AABC )2 माध्यिका / कोण विभाजक / कंचाई APQR

(४) △ ABC में BC के समानांतर स्क लाइन DE खींची गई और यह △ को समान क्षे० में बांट देती हैं 1 AD जात करे.

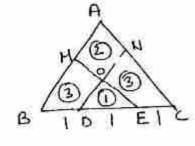


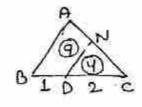
	घोरी A ADE	बड़ी 🛆 🗝 ८
होण	1	2
शुजा	1	72

AABC में BC के समानात्तर रुक लाइन DE इस प्रकार खींची गई कि AME का के : UBCED का के = 16:33.

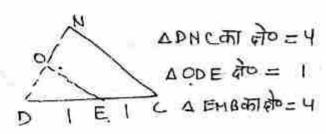
SO △ABCमें BC पर दो बिन्दु D व E इस प्रकार है कि से BC को तीन समान बागों में बांटते हैं। DHILAG ADOE का है ए + 🗆 AMOH का है 0 = P EMILAC

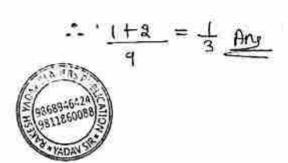
AABC का क्षेठ



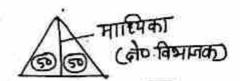


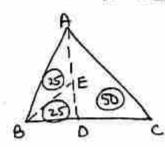
∆ABC का क्रे॰=9 △ DHC जा ते॰ = 4





⑤ △००० में , ८० का महय बिन्दु ० हैं और ०० का भहम बिन्दु है हैं । ००० का तें० : △००० का लें० = ?

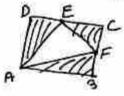


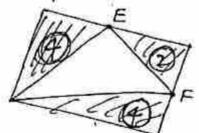


AABC का हों0 = 100 (मान लो)

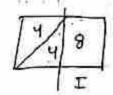
tru 🔑

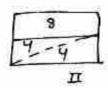
जि ABCD स्क समामान्तर चतुर्भज है। हव ह क्रमंबां: DC और BC के मह्य बिन्दु हैं। द्वाञांकित भाग व अद्यागांकित भाग के के का अनुपात कात करो ?

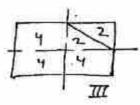




माना □.ABCD का क्षेत्रफ्ल = 16









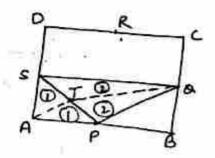
चायां कित भाग = 10 = 5 <u>किला</u> अधायां कित भाग

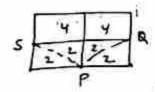
[53] A,B,C,D किसी समानान्तर चतुर्भज के बीर्ष हैं। P,Q, R,S क्रमबा: AB, BC, CD, व DA के मुद्द्य विन्दु हैं। T, PS का मद्द्यं बिन्दु हैं।

Δ ATS का दीन्रफल : Δ PT & का दीन्रफल = ?

#### माना 🏻 🛱 ӨСО का क्षेण = 16

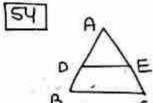






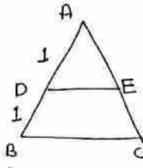
△SPQ का ते॰ = 4



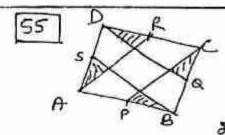


D व E महय बिन्दु हैं।

प्=र्लाक 28AD: व्यक्ति का ति विषय

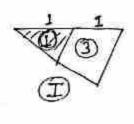


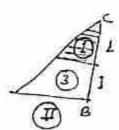
= 4 Mg (1)2

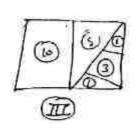


ABCD किसी समाजातर -य० के ब्रीर्व हैं।
PIQIRIS क्रम्बा: ABIBCICD और DA के मद्य बिन्दु हैं। छायांकित भाग और अपायोंकित मां के केंण का अनुपात जात करो।

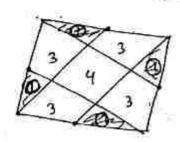
माना 🛘 ABCD का हो०=&0









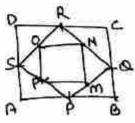


<u> ज्वायां कित भाग का की॰ = 4 = 1 काण</u> अद्यायां कित भाग का की॰

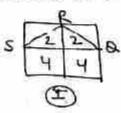
195

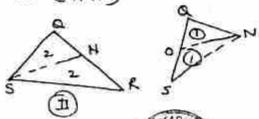
[56] A, B, C, D किसी समानान्तर चतुर्भुज के शीर्घ है। P, Q, R, S क्रमशः AB, BC, CD, DA के मध्य बिन्दु हैं। H, N, O, E क्रमशः PQ, QR, RS, SP के मध्य किन्दु हैं

△50 भ का हो॰ : ☐ ABCD का हो॰ = ?



🛚 ABCD का लें = 16 (माना)

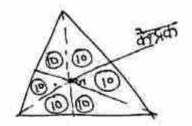


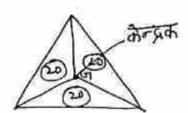


ASON = 1 Ans

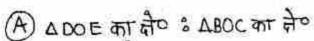


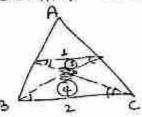


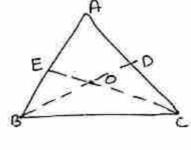




[5] ΔΑΘΕ में BD व CE पो माधिकार है जो सक इसरे को Ο पर कास्ती हैं।

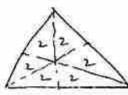






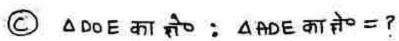
: ADOE - 4

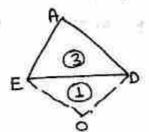
B ADDE + DO C + DO C + D = ?



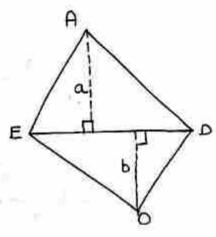
1:2 Ams





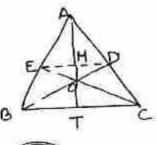


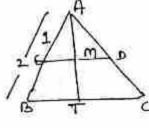




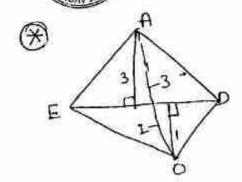
अगर दो तिमुज समान आधार पर हो तो उनके दोत्रफलों का अनुपात. समान आधार पर डाले गर लम्बों के उत्तपात के बराबर होता हैं।

58 किसी △ ABC में, BD व CE पो माधिकार है जो ए पर मिलती हैं। रेखा Ao और ED, m पर मिलती हैं। Am : mo=?





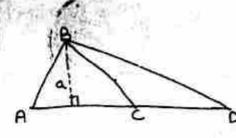
AT = 6 अगर दो निमुख समस्य Am=3 हैं तो उनकी भुजा का अनुपात उनकी माधिका के अनुपात के वसबर होता है।



$$\frac{\Delta AEO का कें $\sigma}{1} = \frac{3}{1}$$$







A A CB का क्षेठ = 64 cm² A B CD का क्षेठ = 81 cm² A C = 4 , cD = 7



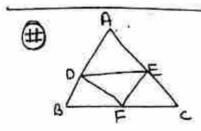
$$\frac{\Delta ABCD \, \overline{a} \overline{b} \overline{D}}{\Delta BCD \, \overline{a} \overline{D} \, \overline{b} \overline{D}} = \frac{1}{2} \times ACX \Delta \Rightarrow \frac{64}{81} = \frac{4}{CD} \quad CD = \frac{81}{16}$$

(४) अगर को निमुजो का रुक common शीर्ष ही और आधार रुक सीची रेखा है तो उनके क्षेण का अनुपात उनके आधार की लंज के अनुपात के समान होता हैं।

$$\therefore \frac{64}{81} = \frac{4}{CD}$$

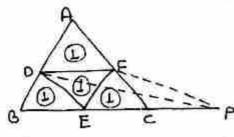
$$\therefore CD = \frac{81}{16}$$





ΔDEF क्षे ΔABC क्षे । : ५ D,E,F मह्य बिन्दु हैं।

60 विम्ह में हिंद को बिन्दु P तक बढ़ाया गर्मा । वर्ष क्रमण : AB व AC के महम बिन्दु हैं। ADFP के० : ABC के० = ?



ADFE do = ADFP do.

∴ A DFP का ते० = 1
 △ ABC का ते० = 4



अभीष्ट अनुपात = 1:4 सिए .

भगनान्तर भुजाओं का आधार समान हो व दोनों समानान्तर भुजाओं के बीच स्थित हो तो उनका वेन्नफल बराबर होगान ने त



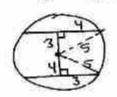






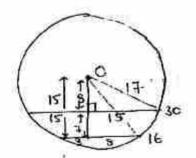


(1) किसी इत की निज्या 5 cm है। केन्द्र के दोनों ओर 6 cm व 8 cm की पी जीवार हैं। दोनों समानान्तर नीवाओं के बीच की लम्बवत दूरी जात करों



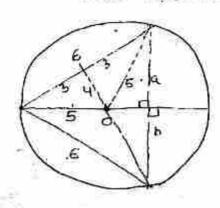
लम्बनत इरी = 3+4 = 7 cm.

(3) कैन्द्र के रूक तरफ पी समामान्तर जीवार 16 cm व 30 cm के बीच की दूरी ज्ञात करों यदि वृत्त की फिज्या 17 cm हो ?



Ett = 4cm Bry

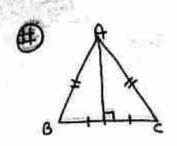
अधिव Ac किसी इस की को जीवार है।
४= 5 cm , AB = Ac = 6 cm , BC = ?



BC=4.8+4.8= 9.6 ΔΑΟΒ = समिक्षिबाह ΔΑΟΒ क्षे0 = ±xex4 = ±xsxa α=4.8

111 y [b=48]

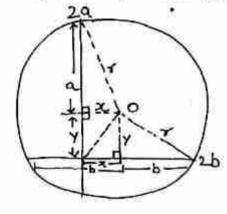
: B c = a+b = 9.6



किसी समिडिबाहु निमुज में यदि दोनों समान भुजाओं के common शीर्व से तीसवी भुजा पर लम्ब डाला जार तो यह तीसरी भुजा को दो वराबर भागों में बाँट देता है।

AB = Ac (common after A) AD L BC

[4] 20, 20 लम्बाई की दो जीवा एक इसरे को 90 पर कारती है। वै जहाँ काटती हैं वहाँ से केन्द्र के बीच की दूरी c है। वृत की निज्या जात करो यदि ८८ जिज्या

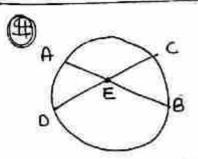


$$a \left| \sum_{x}^{x} \rightarrow x^2 = y^2 - \alpha^2 \right|$$

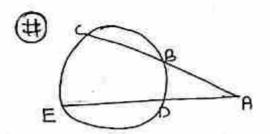
$$\gamma \sum_{b}^{x} \rightarrow x^{2} = y^{2} + b^{2}$$
 $y^{2} = (c^{2} - y^{2} + a^{2}) + b^{2}$ 

$$y^2 = \frac{a^2+b^2+c^2}{2}$$





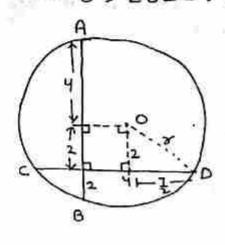
AEXEB = CEXED



ABXAC= ADXAE

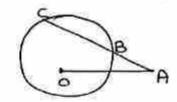
[65] AB a CD (किसी इस की दो जीवा है जो सक इसरे को  $90^{\circ}$  पर E पर काटती है।

AE=6, EB=2, CE=3, 3=?



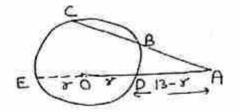






AB=9, BC=7

A0=13, r=?



AD= 13-8

AE = 13+8



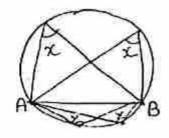
· 9x16 = (13-8) (13+8)

144 = 169-87

82= 25

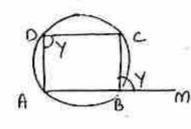






रक ही जीवा आश हत के केन्द्र के स्क तरफ बनार गर कोज समान होते हैं।





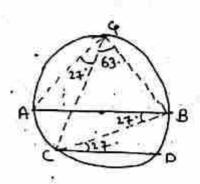
-प्रक्रीय -पतुर्भज Atc = BtD= 180°

बाह्या कोण विपरीत अन्त : कोण के समान

होता है।

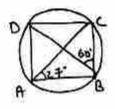
LCBM=LCDA=Y

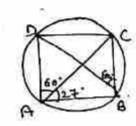
67 ABIICD ∠BCD=? <del>∠CBG</del>= ∠CGB=63°



AB→ ट्यास ट्यास द्वारा बना कोण =90° ८२५८ = 90-63= 2+° :८२८८ = 2+° (समान जीवा AC के कोग) ... ८८८० = 2+°

[68] LBCD = ?





८०८= ६००° (समान जीवा DC द्वारा बने कोण) A+c = 180° 8+ c = 180° | c = 93° |

69 किसी △ABC में ∠A, ∠B, ∠C के कोण विभाजक परिकृत को D, E, F पर काटते हैं।

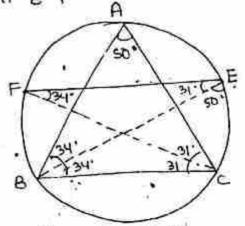
LA = 50°

LEFC=34°

LFEG=?

LFEC = ?

LAEC = ?





LEFC = LEBC = 34° ( समान जीवां EC द्वारा बने कोण)

08. + TE = 180.

LFEC=112.

LC=62. ( : LA=50 , L8=68.)

LFEB = LFCB = था ( समान जीवा FB द्वारा बने कोवा)

LBAC= LBEC = 50. (समान जीवा BC द्वारा बने कीण)

LAEC= 180-(34+34+31+50) = 31° (चक्रीय चतुर्जाज)



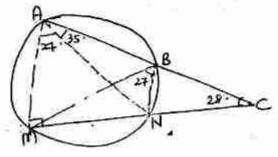
CLASS

कि तिक व लाद किसी हत की दो देदक रेखा है जो हत के बाहर द बिन्दु पर काटती है। तम हत का ट्यास है

∠C = 28°

∠NAB = 35°

∠MBN = ?

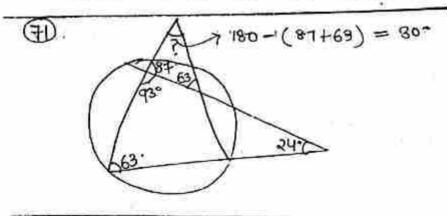


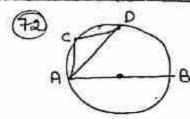


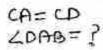
AN -> ट्यास

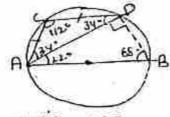
LAMC = 90° ( अर्ष्यवृत्त में बना कोवं)

८mBH= 27° (समान जीवा MH द्वारा बने कोण)







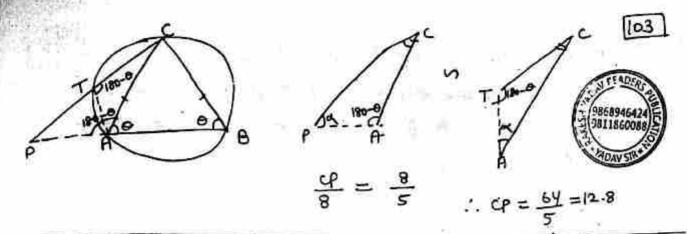


LOAB = 220

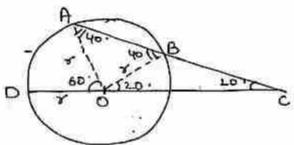


(नि) Ac a Bc किसी वृत्त की दी जीवार हैं। लाइन BA को P बिन्दु तक बड़ाया गमा, जब CP को मिलाया गया तो यह इंत को T पर काली है।

AC=BC CT=5CP=P BC=8



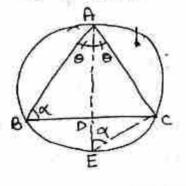
मि ति किसी इत की जीवा है। DOC सक लाइन हैं जो इत के स्क बिन्दु D से शुरू होती हैं. AB का बड़ा हुआ आग DOC को C पर मिलता हैं।

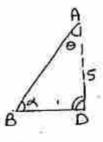


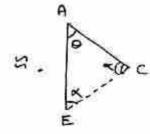
LAOD = 60°

नड AMBC में LA का कोण बिझानक BC को D पर कारता है तथा परिवृत्त को E पर मिलता है।

$$P = 24$$









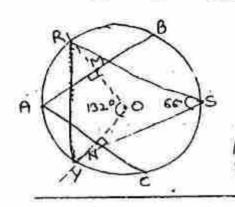




पर काटती है। ० वृत का केन्द्र है। पर काटती है। ० वृत का केन्द्र है। ८८९० = ३२°
(समान जीवा AC हारा ८८९० = ३२°
(समान जीवा AC हारा अच्छा)



LBCD = 180-(90+58) = 320 ACE



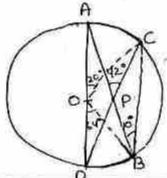
ुप =66° ८ हा अना कोण केन्द्र पर बने कोण से आचा होगा∙

t8) AB व co किसी वृत्त की को जीवा है जो P बिन्दु पर मिलती है।

LAOC= 20"

CAPC = 42.

4BOD = ?



∠BOD = 64°

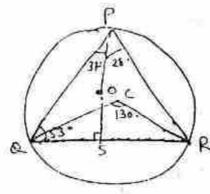
नि o व c क्रमशः किसी APQR के लम्बकेन्द्र व परिकेन्द्र हैं P और o को मिलाकर बड़ाया गमा जो QR को s पर

कारती हैं

LOCR = 130'

LRPS = ?

CPOS =53.

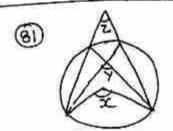


LRPS= +8.

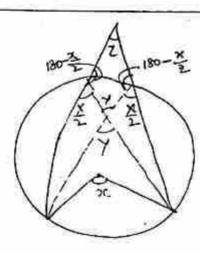


ि कि कि हमें में अपि ट क्रमड़ाः अन्तः केन्द्र व परिकेन्द्र हैं। PI को बदाया गया जो परिवृत को b पर मिलती हैं।

$$\frac{5x+5y}{37} = \frac{5(x+y)}{37} = \frac{5x^2x}{37} = \frac{19}{3} \frac{Ans}{37}$$



48+42 =?



9+Z+180-존+180년 =360°

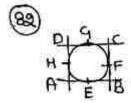
CLASS

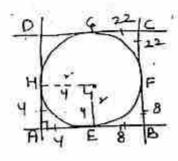
By Pavedeep Chhoker 7206446517





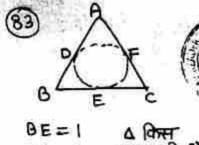
AB+DC = AD+BC.









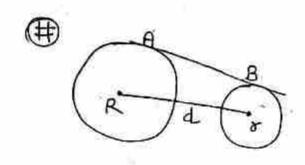


BE=1 Δ किस CF=2 प्रकार की है। AO=3 i e

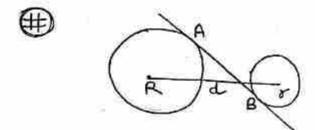
3 A 3 F 2

∆ की घुजा= 3,4,5 ∴ समकोण ∆ हैं।

# स्पर्धा रेखारं

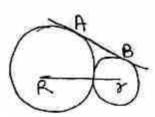


अनुस्पर्शीय अभयनिष्ट स्पर्धा रेखा =(AB)=



.अनुप्रस्थ अभयनिष्ट स्पर्धा रेखा AB = √d²— (R+r)²

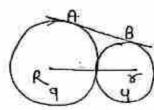




AB = 2 Ro

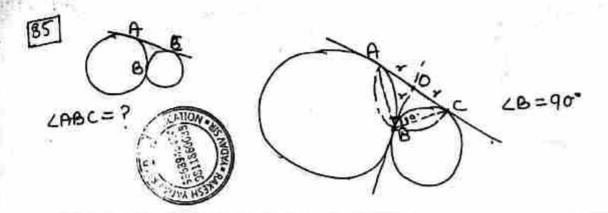


(७५) qcm व ५cm किन्या वाले दो वृत्त बाह्या स्पर्श करते हैं । इनकी स्पर्धा रेखा पर बनने वाले वर्ग का दो॰ तात करों।

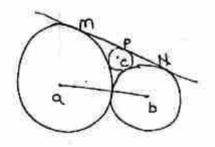


AB (को की भुजा) = 2J9Xy = 12 · की का कै0 = 122 = 144 cm2





[96] acm a bcm निज्या वाले दो बृत्त बाह्या स्पर्श करते हैं। तीसरा वृत जिसकी निज्या ८ हैं इन दोनों को बाह्या स्पर्श करता है तथा इनकी स्पर्धा देखा को नभी स्पर्धा करता हैं। कि.व., b.c में संबंध जात करों →

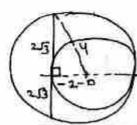


MU = MP+PH.

क्षेवि = शवट + क्षेक्ट

श्रविष्ठ = श्रविष्ठ + श्रविष्ठ = श्रवेष्ठ =

(87) ucm व 3cm तिज्या वाले दो ब्रुत रूक इसरे को अन्तः स्पर्धा करते हैं । बड़े ब्रुत की सबसे बड़ी जीवा जात करो जो घोटे ब्रुत के बाहर हैं।

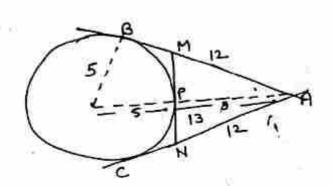


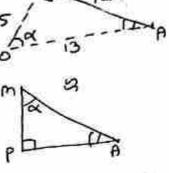
142-26 = 112 = 253 213+253 = 453 Ans



[88] AB व AC किसी बन की पो स्पर्श रेखाएं हैं। इसरें स्पर्श स्वा की लम्बाई बात करों जो AB व AC को M तथा N पर कारती हैं। MN= ?, x=5, AB=12



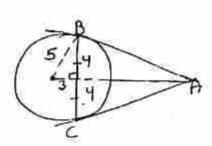


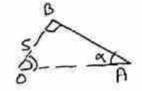




199 AB व AC किसी वृत्त की दो स्पर्ध रेखाएँ हैं।

$$Ao = ?$$





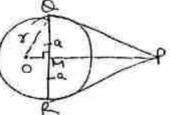


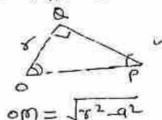
90 Pa a PR किसी व्रत की स्पर्ध रेखारं है।

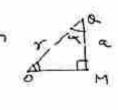
$$s = scw$$

$$PQ = ?$$









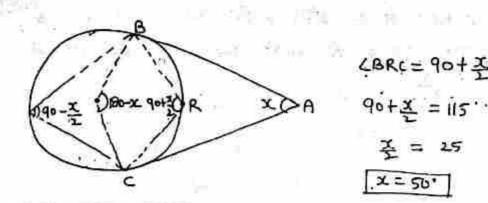


$$\frac{pa}{a} = \frac{r}{\sqrt{r^2 a^2}}$$

Arg

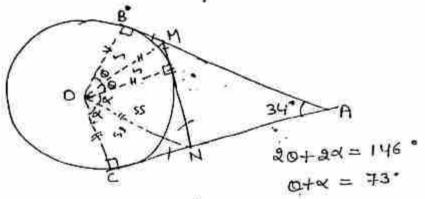
वा तिष्ठ व तट किसी द्वा की दो संपर्ध रेम्बा है । द्वेटी चाप ७८ पर ४ कोई बिन्दु है।



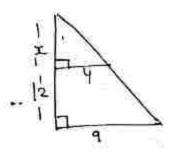


प्र AB व AC किसी इत की दो स्पर्श रेखा है। MU एक स्पर्श रेखा हें जो AB व AC को M तया N पर काटती हैं। जहाँ पर लाइन OA वृत्त को कारती है वहाँ पर MM स्पर्ध नहीं करती।





LMON = 73'





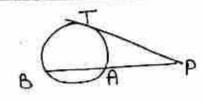
$$\frac{x}{x+12} = \frac{4}{9}$$

$$4x = 4x+48$$

$$5x = 48$$

AB = 12+9+9.6 = 30.6 cm.





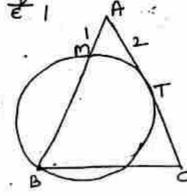
94 समादिबादु △ ABC में से शीर्घ 8 से स्क इत राजरता है , जो AC के मध्य बिन्दु को स्पर्ध करता है और AB को

M पर काटता है।

AB = AC

Am:mB=?





AB=AC= 4 (माना)

AT = Amx AB

Am= 1

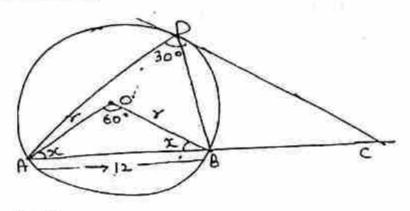
Am : MB

95 BC=4.

4A0B=30"

r= 12

40=7

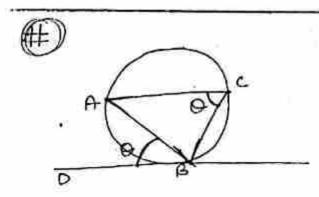


x+x+60 = 180°

x=60

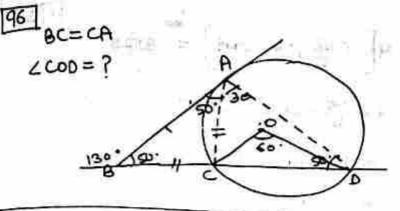
:. AOB रुक समबाहु निभुन हैं ।

CD2= CBXCA CD2= UX16=64 cp = 8 Am.



थादि-धाप AB व स्पर्व रेम्मा BD मिनकर & कोण बनाती है तो चाप ब्रांश वृत के दूसरे हिस्से में बना कीण & ही होगा:

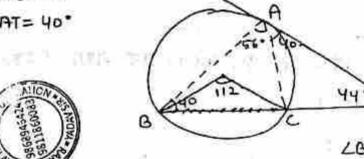




AABD LB=50 , LD = 50 4BAC= 50. -. CCAD = 30°

मि A, B, C किसी बृत पर 3 बिन्दु हैं। एक स्पर्श रेखा बृत को A पर स्पर्श करती हैं और BC के बदे हुरू भाग को 🗇 पर मिलती हैं । जीवा ८८ द्वारा कैन्द्र पर बना कोण जात करो :

2ATC=44° / CAT = 40"

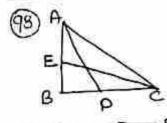


180-(40+44+40)

780 C= 115.

CLA SS 56

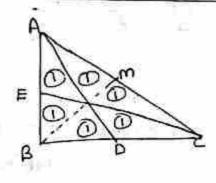
By Pardeep Chhoker 7206446517



CN = ?

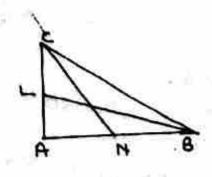
D-+ Bc का मस्य बिन्दु E-> AB का मध्य बिनु

AAFC AD: OBDFC AD=?



(19) △ABCH (# LA=90:, BLacHदो माधिकार BC=5 Br= 312

4 (BL2+CH2)= 5(BL)2



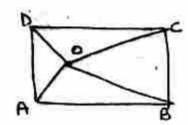
$$4\left(\frac{35}{4}\right)^{2} + ch^{2} = 5x^{2}$$

$$4\left(\frac{45}{4} + ch^{2}\right) = 125$$

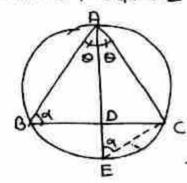
$$4ch^{2} = 125$$

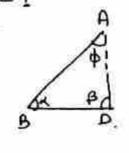
$$4ch^{2} = 80$$

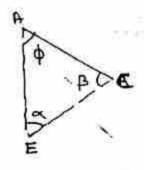




[100] ΔΑΒς में ८Α का द्विमाजक Βς को D पर तथा परिवृत को E पर काटता है। ΑΘΧΑς + DEXAE = ?







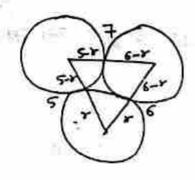
AB = AD



ABXAC = (AE-DE) XAE = AE2-AE XDE

ABXAC+AEXDE = AEZ AM

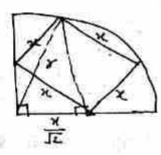
[101] 3 हम स्क पूसरे को बाह्य सम्पर्ध करते हैं और उनके केन्द्रों के बीच की दूरी sum, 6cm, 7cm हैं। तीनों हमों की फिज्या जात करों ?





102 किसी क्वार्टर (चतुर्घ) वृत में रूक वर्ग इस प्रकार बनाया गया कि इसके दो अधि केन्द्र से समान दूरी पर है तचा बाकी दो अधि खुताकार चाप पर है। थिंद वर्ग की भुजा x cm हो तो वृत्त की त्रिज्या जात करो :

5+2 = 3



[103] AABC में Da E क्रमज्ञा: ACतचा Bc के मध्य बिन्दु है

LDE (= 90°

Tan LABC = 3.6

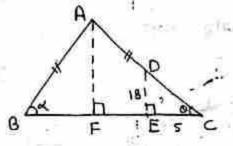
Ac: cp = ?

BC: 2CE

B ICE: BC

@ 2BC : CE

D CE : 18C



$$Tano = \frac{P}{B} = \frac{18}{5} = 3.6$$

Tana = 3.6

Tange Tang .. Q=x

BF=FC

AB=AC | AAFCH ADEC

TIGHT

ाण्प ΔABC में BC पर बिन्दु D और AD पर बिन्दु E इस प्रकार

₹

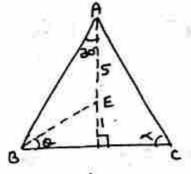
ADLBC

AE: ED=5: 1

LBAD = 30"

Tan LACE = 6Tan LOBE

LACB= ?



 $Tana = \frac{1}{BD}$ 

 $Tana = \frac{6}{DC}$ 

Tana = 6 Tano

E = E

BC

BC

BC

BC

. AB = AC

. LB= LC.

LC = 604 Any

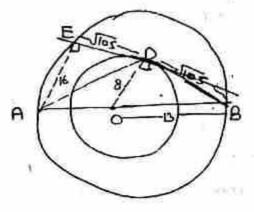


[105] समान केन्द्र वाले दो वृतों की निज्या 19 cm व '9 cm है'

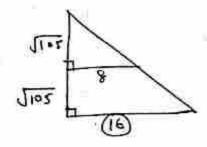
AB बड़े बृत का व्यास है और BD छोटे ब्रुत की स्पर्श रेखा है'

इसे D पर स्पर्श करती हैं और बड़े ब्रुत को ह पर काटती है'

A और D को जोड़ा गया | AD जात करो |



BD=1105

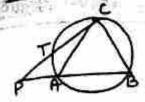


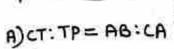
AD= ((105)2 + 162

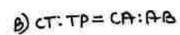
= J105+256 = J361

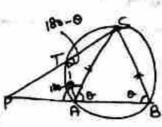
A-0 = 19 Ans

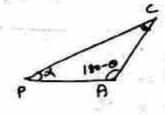


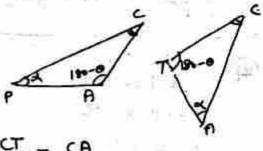












107 एक समद्विषाटु △ में ८८=90° . D निभुज के अन्दर कोई बिन्दु हैं Р और & भुजा AB त्या AC पर कोई बिन्दु हैं-

DP\_AB

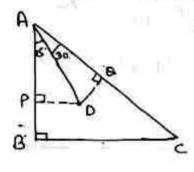
DO L AC

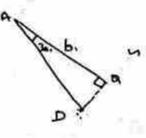
AP=a

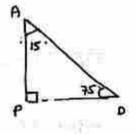
A0 = b

LBAD=150

sin75'=7







AO = 글



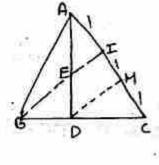
SIN75' = sin 75= Ang

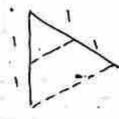
$$\frac{Q}{\frac{2b}{J}} = \frac{J3a}{2b}$$

108) AABC में मारियेका AD का मध्य बिन्दु E हैं। BE को बदाने पर थह Ac को I पर कादा है

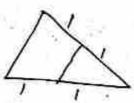
AB=18 AC=15 BC= 20

CI= ?









**(#)** 



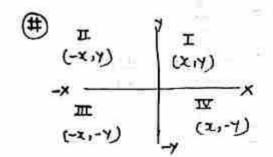
(#)

$$a_1x+b_1y=c_1$$
  
 $a_1x+b_2y=c_2$ 

रुक अद्वितीय हल 😑 <u>ai</u> 🛊 bi

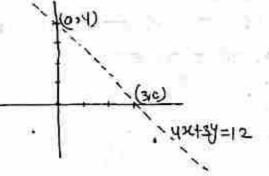
कोई हल नहीं होगा > २ २ = 1 + ८ =

अनन्त हल टींगे 🖈 ्य = b1 = प \_\_\_\_

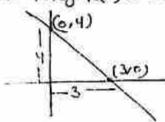




① 4x+3y=12, x=0,  $y=4 \Rightarrow (0,4)$ y=0,  $x=3 \Rightarrow (3,0)$ 



② देखा पर+3४=१२ , x-००वं , y-००वं , ठावा बने △ का ते० ज्ञात करो ।



1117

[DR] यदि किसी △ की पो भुपारं 2-axis व ४-axis हो तो यह स्क समकोण निभुज होगी.

4 4x+3y = 12 12 社 HIP 住命 中 12 + 3½ = 12 字 (香 + ৬) = 1 SHUTE > MFET

A an an = 1 × 3×4 = 6 Any

(3) देखा 8×+69=60, x-axis a y-axis द्वारा बने निमुज का क्षेण्यानकरों 8×+69=60

= 33+2 किए = ₹x+2x10

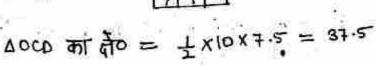


(प) १×+3४=60, प्र+3४=12, x-axis व ५-axis द्वारा बने समलंब चतुर्भण का होण जात करो

<u> ઝાલાર</u>

X	0	7.5
y	10	0







⑤ 5x+3y=15, 15x+9y=270, x-axis व y-axis द्वारा बने समलंब - चतुर्भण का दी० क्या : होमा
15x+9y=270 द्वारा बनी ∆ का दी०

$$\frac{15x}{270} + \frac{9y}{270} = \frac{270}{270}$$

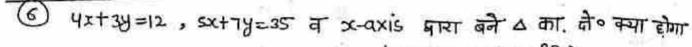
$$\frac{x}{18} + \frac{y}{30} = 1$$

⇒ ±×18×36 = 270

इर+3४=।इ द्वारा बनी △ का दो०. इ<u>र</u> + <u>३५</u> = <u>१</u>5 ⇒ ऱ्र + <del>१</del> = 1

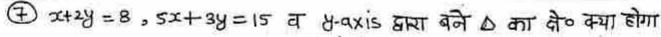
⇒ ±x 3xs = 7.5

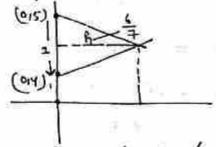
समलंब चतुर्भन का कि = २२०-२-५ = २६२-५ क्रि.



$$4x+3y=12$$
  $5x+7y=35$   $x=7$   $y=0, x=7$   $(7,0)$ 

4x+3y=12  $y=\frac{80}{13}$ 





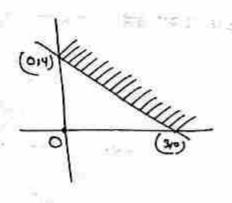


(3) 4x+3y>12 4x+3y = 12

× 0 3 У Ч 0

4x+3y > 12

put x=0, y=0





0+0 >> 12 ( संतुष्ट नहीं करता, मतलब द्वाया उस भाग में बनेजी जिसमें '0(0:0) नहीं होगा ) अगरं यह सत्य होता तो 'द्वाया वहाँ बनती जिस भाग में 0(0:0) होगाः

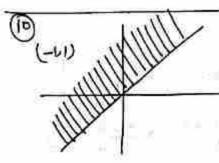
(9)	X	7	-y-
1	x=		4

×	7
0	О
-1	1

x>-4

put x=1, y=1

1% - (सत्य , दाया उस अष्ठा में कोगी जहाँ (i,1) होगा .



इस लाइन के बिन्दु था तो वोनो +ve था दोनो -ve होते । 'so, option (c), (0) concel.

(111)

option A: 27/8-

A 274 8 264

option B: ~

8-3× @ 8-4× @

Put x=-1,y=1

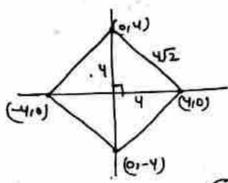
(: in and quadrant)

to check the condition.



### 120

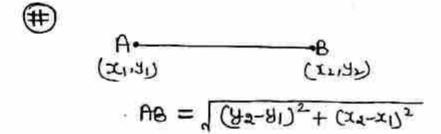
🛈 । रथ + । ४। = ५ द्वारा बनी आकृति का ले॰ जात करी



पार्क मुजा वाला स्क की बनेगा मैठ = (पार्श) = 32 <u>Am</u>

$$6R$$
 =  $2(4)^2$  =  $32 \frac{Any}{}$ 

# थार द+171 = K या | म | + Y = K हो 0 = K<sup>2</sup>



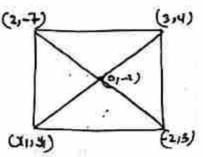


(3,4), (२,-२) हैं।

विकर्ण का मध्य बिन्दु = 
$$\frac{2-3}{2}$$
,  $\frac{-7+3}{3}$   $\Rightarrow$  (0,-3)

⇒ विकर्ण धक दुसरे को द्विभाजित करते हैं।

$$\frac{x_1+3}{2} = 0 \Rightarrow x_1 = -3$$
  
 $\frac{y_1+4}{2} = -2 \Rightarrow y_1 = -8$ 





$$\frac{\left(\frac{x_{1}+Kx_{2}}{k+1},\frac{k+1}{k+1}\right)}{\left(\frac{x_{1}+Kx_{3}}{k+1}\right)}$$

(3) Y-axis लाइन PQ को किस अनुपात में (7.5) बारेगा

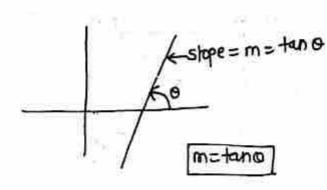


$$\frac{-3+7K}{K+1} = 0 \quad \left( \text{ y-axis } \overline{42} \quad \text{x-o} \right)$$

- 1

### प्रवणता (Slope)





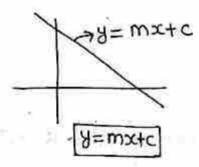
0 -> anticlockwise लेना है।

**(III)** 

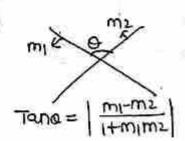
$$\omega = \frac{x^{r} - x!}{a^{r} - a!}$$



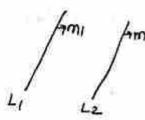
1



1







ns if HILLS

wi=wr

ाऽ x-४।3= व उद्र+४= न के बीच का कोण ज्ञात करों। [123]

Tano =  $\infty$  = Tan 90°

:. 0=90°



[6] पx+3y=16 ६ 8x+6y=18 के बीच लम्बवत दूरी जात करी

$$\frac{\text{CTFBO}}{\text{GR}} = \left| \frac{16-9}{\sqrt{4^2+3^2}} \right| = \frac{7}{5} \frac{\text{Ang}}{5}$$

$$ax + by = c_1$$

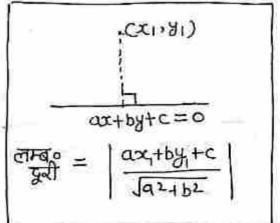
$$ax + by = c_2$$

$$cy = aan = \left| \frac{c_1 - c_2}{Ja^2 + b^2} \right|$$

[] किसी बिन्दु (-3,2) और लाइन 3×+48=16 के बीच की लम्बवत

इरी जात करो।

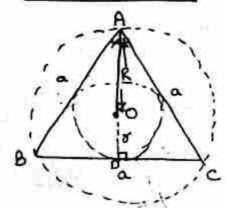
$$=\frac{3_{+5}}{5}=3 \quad \underline{\underline{\text{Ang}}}$$





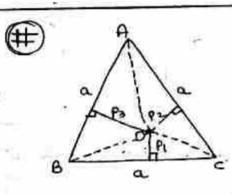
Pardsep Chhoker 7206446517

समबाहु निमुज



$$R = \frac{a}{\sqrt{3}}$$

मास्यिका लम्ब मिमापक कोण द्विमाजक



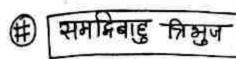


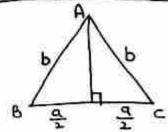
$$a = \frac{2}{5}(P_1 + P_2 + P_3)$$

$$\frac{5}{2}a = P_1 + P_2 + P_3$$

 उस समबाहु निभुज का है। जात करो जिसमें किसी बिन्ड से तीन लम्ब उड , 213, 513 डाले गए।









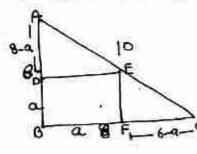
2) उस निमुज का दी॰ ज्ञात करो जिसकी भुजार इ,5 व 6 cm है।

## विषमबाहु निमुज



$$R = \frac{Abc}{4A}$$

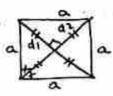
- 3 s, अरें cm मुजा वांले निमुज का कें जात करो = 19×4×3×2 = 1216 = 6/6 cm2 s= 5+6+7 =9
- (4) किसी समकोण निमुज की भ्राजार 6,8,10 cm है। इसके अन्दर बन सकने वाले बड़े से बड़े की का तें जात करो.



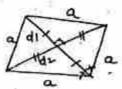
वाले बोड़ से बड़े की की भुजा के व = आधार × लंब आधार + लंब

**(#)** 

वर्ग



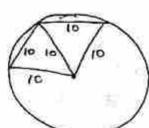
हो = a2 परिमाप = 4a d1 = d2 समचतुर्भज



के = 1 × a1 × d2 परिमाप = 40 a1 ≠ d2 हो = a2sino.

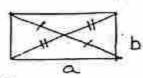


उस समचतुर्भज का बी॰ ज्ञात करो म जिसके 3 बीर्ष हत की परिष्टी पर है तथा स्क बीर्ष हत के केन्द्र पर है। कुत की किन्द्रा = 10 cm •

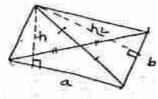


ho = 2× (년x 10×10)

आयत



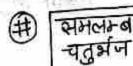
क्षी० = . axb परिमाप:= 2(a+b) समानान्तर चतुर्झन

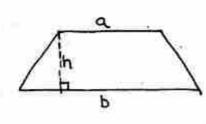


10 = axt = bxt.

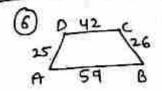




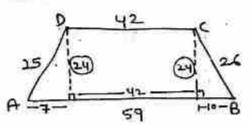




त्तैण = र्- (०+७)×५ = २ समानान्तर भुजाओं का औसत x h

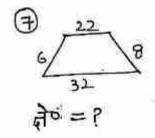


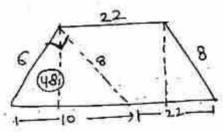
AB 11 CD मे० ज्ञात करो :



Triplet an tel 2

的= = x (42+59) X=4+12 = 1212 cm2 AM

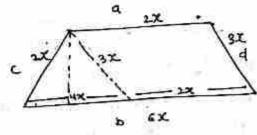






Ho = £ x (22+32) x4.8 = 129.6 AM

(क) किसी समलम्ब न्यतुर्भज में 2 समानान्तर भुजाओं का अनुपात 1:3 व असमानान्तर भुजाओं का अनुपात २:3 है । यदि बड़ी समानान्तर भुजा तथा बड़ी असमानान्तर भुजा का अनुपात २:1 है! तो अमलम्ब न्यतुर्भज का बैठ जात करो यदि इसकी जेचई । १ । १ पा पा



 $\Delta \rightarrow 3 = \frac{2x+3x+4x}{2} = \frac{9}{2}x$ 

17:67:1X:3X

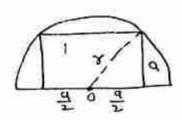
Area(Ar) = JExxExxExxEx = 3xLss



x=10

समलंब -यतुर्भज का क्षेठ = 1 (20+60) × 15/15 = 150/15 क्षिप

(9) अ र प्राप्त वाले किसी अर्थवृत में वनने वाले बड़े. से बड़े वर्ग की भुण ज्ञात करों।

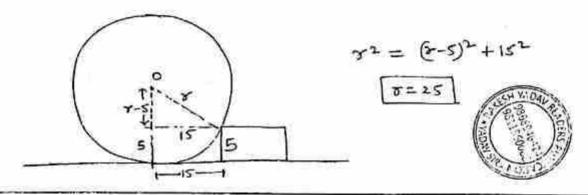


$$r^{2} = a^{2} + \frac{a^{2}}{4}$$

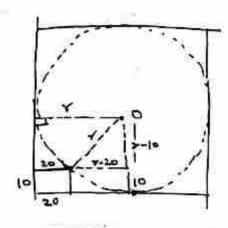
$$r = \frac{\sqrt{5}}{2}a$$

$$a = \frac{2r}{\sqrt{5}} \frac{Ans}{r}$$

एक पहिंचे के अामे scm की एक ईट रखी गई। ईट से पहिंचे के बीच की दूरी (अहाँ पर पहिंचे में अमीन को स्पर्ध किया दुआ है) । scm हैं। पिहिंचे की क्रिज्या ज्ञात करें।



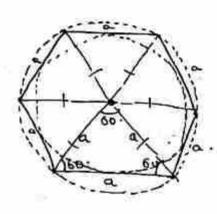
(1) किसी वर्ग के अन्वर बनने वाले बड़े से बड़े दूत की जिज्या जात करों । यदि वर्ग के कोने में वर्ग और दूत के बीच ब्वाली जगह में 20 cm लम्बा और 10 cm चौड़ा रूफ आयत बनाया जार । अपत के तीन शीर्ष वर्ग पर तथा रूफ शीर्ष दृत की परिद्धी पर हैं



x=50

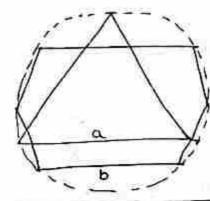


## **₩** षटु भुज



परिवृत की निज्या(१)= ० अन्तः वृत की निज्या(४)= र्यु ०

(1) किसी वृत्त के अन्दर बनने वाले समबाहु. त्रिभुज और षर्भुज की भुजाओं की लम्बाई का अनुपात क्या होगा



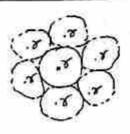
$$8 = \frac{1}{13} \left( \triangle \overrightarrow{H} \right)$$

$$8 = 9 \left( \frac{45}{13} + \frac{1}{13} \right)$$

$$9 = 9 \left( \frac{1}{13} + \frac{1}{13} \right)$$

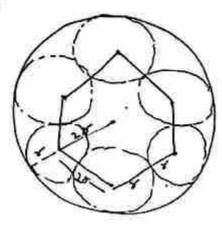
$$9 = \frac{1}{13} + \frac{1}{13} = \frac{1}{13} = \frac{1}{13} + \frac{1}{13} = \frac{1}{13$$





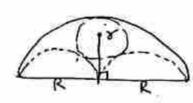
প टा निज्या वाले किसी वृत के चारो और समान निज्या के 6 इत बनास जा सकते हैं जो वास्तविक वृत को और & और वृत को स्पर्धा करेंगे ।





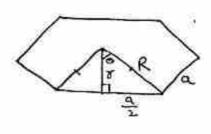






$$r = \frac{R}{3}$$

(#)



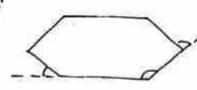
किसी भी बहुभुज की परिवृत्त की विज्या R = a cosec 180°

किसी भी बहुभुज की अन्तः वृत की फ्रिज्या

r= a cot 1800

n भुजाओं वाले किसी भी बहुभुज का होंठ = <u>nat</u> cot <u>180°</u>

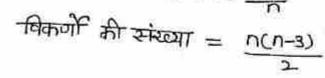




सभी अन्तः कोणों का योग= (n-2)×180° प्रत्येक अन्तः कोण = <u>(n-2)×180</u>.

सभी बाह्य कोणो `का थोण = 360°

प्रत्येक बाह्या कीण = <u>360</u>°





(() किसी बदु भुजं के भुजाओं की संख्या ज्ञात करो थि इसके विकारों की संख्या 27 है तो -

$$\frac{n(n-3)}{2} = 27$$

$$\frac{1}{2} + \frac{1}{2}$$

$$\frac{1}{2} = 27$$

i. n=q Ang



(5) किसी बुद्दभुज में प्रत्येक बाह्य व अन्तः कीण का अनुपात 2:3 है। भुजाओं की संख्या सातं करो।

5x = 180 1 = 260. (3164: 1 4167 = 3

$$\frac{3x}{2x} = 36$$

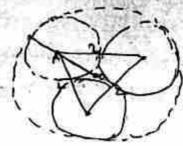
$$2x = 72$$

$$\frac{360}{1} = 72$$

n=5

- 10 cm भुजा वाले किसी वर्ग के कोनों को काटकर अण्टमुज बनाया गया । अण्टमुज की झुजा जात करो :
  - (अ) किसी अव्टमुज का क्षे० = 20°(1+1र्घ)
  - (\*) वर्ग की भुजा = अण्टमुज की भुजा (12+1) 10 = गअवरभुज की भुजा (क H) अब्दमुज की भुजा = 10 Aru .
- 1cm किन्या वाले 3 वृत रक दूसरे प्रर बाह्यः स्पर्ध करते है तीनो वृत्तो के बाहर बनने वाले परिवृत्त का क्षेण जात करी ।

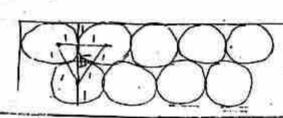




3+1 = 2+53

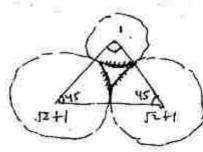


किसी आयतांकार बीट की लंग 10 पण हैं। इसकी कम से कम चौड़ाई क्या होगी ताकि इसमें से 1º CM किया की 9 वृत्ताकार बीट काटी जा सके।



जियारे = एx2=13 2+13) Any

(19) ICM > (12+1) cm , (12+1) cm निज्या वाले तीन हत स्क इसरे को बाह्या स्पूर्व करते हैं। उनके बीच की common नाप की लंबाई ज्ञात करो।



180 π(D+ 42 μ (E+1) x2 프 + 프 (ూ+1) 正[1+12 +[] = I[ 2+JI] Ans

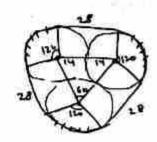


Arc= O'TTY

सिर्फ दो परिस्थितियों में न्याय निकाल सकते है था तो △ समबाहु हो था फिर समकोण समदिबादु हो ।



(a) उस छोटे से छोटे रवर वैंड की लम्बई जात करों जो 14. um त्रिण्या वाले तीन वृतों को बांध्य सकता हैं।



120 XTX 14 X3 = 68

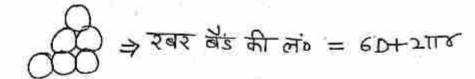


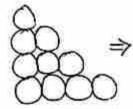
16 X3 = 84

:. रबर बेंग्ड की लं = 88+84 = 172 cm.



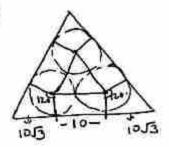
रबर बॅण्ड की लं = 3D+शान





⇒ रबर बेंड की लंज = 9D+2TT8

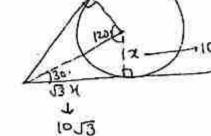
2



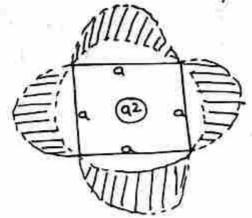
क्रिया=10 क्रिमुज का परिमाप बात करो

पश्मिप = 3 (20+1053+1053) 60+6053 60 ( HE) Ans:





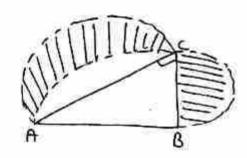






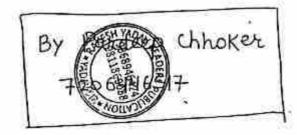
द्वयांकित भाग का दो० = a² ( वर्ग का ते०) जिस पर बना हुआ है)





८८८ का हो०= <sup>50</sup> द्वयांकित भाग का दो० जात करो

ः द्यायांकित भाग का को० = 50 <u>मिप</u>

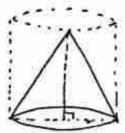


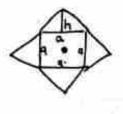
प्रिप्म

पिरामिड









आयतम = आधार हो० x अंचार पाईव प्रव्हीय हो० = आधार परिनाप x के कुल स्व्हीय हो० = पाईव प्रव्हीय हो० + 2 - आधार हो०

आयतंन = र्रु × आव्यार दो० × ऊंचाई

पार्श्व द्वळीय दो० = र्रु × माद्यार परिमाप × तिर्यक्त कंची

कल प्रक्रिय दो० = पार्श्व प्रक्रीय दो० +

माद्यार का हो ०

① प्रिज्म का आयतन ज्ञात करों जिसका आधार 10 cm मुना वाला रूक अण्टभुज हैं और प्रिज्म की उन्चाई 63 cm हैं।

भायतम = आष्यार क्षेष्ट × .h = 2×10×10(J2+1) × 63

किसी प्रिज्म का आधार एक निमुज है जिसकी भुजार 5,12 व 13 दल है और इसका आयतन 450 cm² हैं। इसका कुल एळ्टीय के जात करो।

450 = 30 XH

T.S.A = 30XIS + 2X30

H = 15 cm

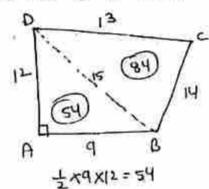
= 510.cm2

अ किसी प्रिज्म का आधार एक त्रिमुज है जिसकी परिमाप 45 हैं और इसके अन्तः वृत्त की त्रिज्यां 9 cm हैं। यदि इसका आंगतन 810 cm³ हो तो कुल ए० नै० ज्ञात करों।

अग्नित्म = आ० क्षे० × म

कुल ए० क्षेण = 45×4 + 2 (9×4)

(प) किसी प्रिज्म का आधार रुक -यतुर्भज ABCD हैं । प्रिज्म का आयतन, 2070 cm³ हैं । ब्सका पार्श्व ए० ते० जात करो



आयतम = आ० से० x h आ० से० = 54+84 = 138 2070 = 138x4 म=15

(5) रक वर्गाकार आधार वाले प्रिज्म की ऊंचाई 15 cm हैं । धिर इसका कुल ए० के० 608 cm² हैं तो इसका आयतन जात करों।

ं आयतम् = 64×15 = 960 cm3

6 किसी फ्रिन्म का आधार रुक निमिनत घटमून हैं और इसकी फंचाई 10 cm हैं। यदि इसका कुल ए० हो ० 15653 cm हैं तो इसका आयतन ज्ञात करों :--

60 x10 + 2 x 313 a2 = 15653

200 + 5392 = 5253

a (20+ 13a) = 543

253(20+53×25)= 525

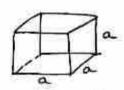
253 X26 = 5253

. a= 253

आयतन = <u>३13</u> x (२13) <sup>2</sup> x 10

व का कुल मान ख्वो असे a=15,213,313 क्योंकि 13 a का अळा खतम करना है नहीं तो ववव नहीं होगा।

## ध्यन



आयतन =  $a^3$ 

पार्ख पृ०क्ते०= ५१०

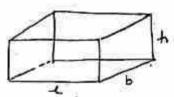
कुल पुर क्वां = 692

क्किर्ण (D) = 13a

ァ = 을

R = 13 a

## धनाभ



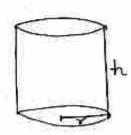
आयता = 164 पाइर्व ए० के०= 2(146)×4 कुल ए० के० = 2(16464441)

D = Je2+b2+h2

⊕ एक धनाश को थिद अर्घगोले में ब्रबा
जाए तो अर्घगोले की निज्या

R= + J42+12+b2

## बेलन

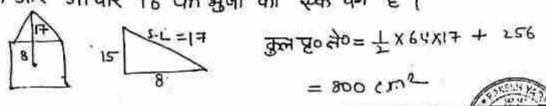


अायता = 11 x2 h वर्क पृ० ते० = वर्क पृ० ते० + 211 x2 = 211 x(x+h)

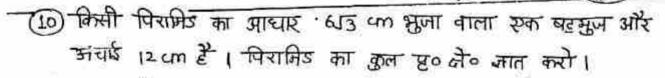
- (न) किसी पिराप्तिड का आयतन ज्ञात करो जिसका आधार 253 भुजा वाला स्क बहुभुज हैं और पिराप्तिड की कंचाई 15 cm हैं। 401. = र्रे × 353 × 12 × 15 = 9053 Ans
- (8) किसी पिरामिड का आयतन ज्ञात करो जिसका आचार ६ cm भुजा बाला रुक वर्ग हैं और रसकी तिर्यक अंचाई डफ्ट हैं।

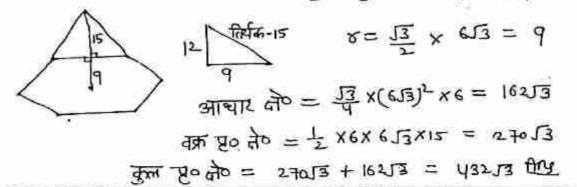
$$\frac{1}{3}$$
 6  $\frac{1}{3}$  अ। यत्म =  $\frac{1}{3} \times 36 \times 4$  =  $\frac{1}{3} \times 36 \times 4$ 

किसी पिरामिड का कुल ए० मे० जात करो जिसकी ऊंचाई ।ऽ
 cm और आधार ।६ cm भुजा का एक वर्ग हैं।



🛞 ब्रुचिके अन्दर बने अन्तः वृत की क्रिज्य। = 🝷





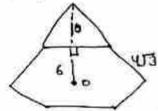
(1) किसी पिरामिड का आखार 10 cm भुजा वाला सक घटभुज हैं और जिसकी सक तिर्पक भुजा 13 cm हैं। पिरामिड का आमतन जात करों ?







🕮 किसी पिरामिङ का आधार ५,७ भुजा वाला एक षर्भुज है और बसकी तिर्थक ऊंचाई 10 cm है। पिरामिड का आयतन जात करो ।

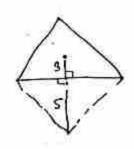






भाषातम = ्र ४ <u>३ ३</u> × ५८ ४ ९ = ११२ । १९८ इ.

(3) किसी पिरामिड का आधार 6/3 मुजा की रुक समबाह ८ हैं। थि इसकी तिर्धक केचाई डक्ट है तो आयतन सात करो।

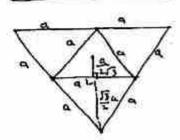


 $x = \frac{613}{2.5} = 3$ 

최대대 = 국X 등 x 108 X Y = 3613



*सम*चतुष्फलक



आपतन = 5 व3 पार्क ए० ते॰= 3/3 व² केल रिंग्डिंग = 130,5 तिर्पक ऊंचाई = 💯 🗅 तिर्घत भुजा = ०